अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तत्त्व ज्ञान (वर्ष : 2025) दिनांक : 20.12.2025

समय सीमा : 3 घंटा पंचम वर्ष : द्वितीय प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

नव पदार्थ- निर्जरा, बंध, मोक्ष–50

प्र. 1 किन्हीं आठ प्रश्नों के उत्तर एक या दो लाईन में लिखें– 16

निर्जरा–किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखें–

(क) भक्तपान अवमोदरिका किसे कहते हैं?

(ख) प्रशस्त मन-अक्रिय शब्द से क्या तात्पर्य है?

(ग) उपनीत चरक किसे कहते हैं?

(घ) निर्हारिम अनशन किसे कहते हैं?

(ड़) सात एषणाओं के नाम लिखें?

(च) मोक्ष प्राप्ति के दो चरण कौन से हैं?

बंध–किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें–

(छ) प्रकृति बंध आदि चारो बंध के हेतु क्या हैं?

(ज) 8वें, 9वें, 10वें गुणस्थान में कितने आश्रव होते हैं?

(झ) मोहनीय, नाम व अंतराय कर्म की जघन्य व उत्कृष्ट स्थिति लिखें।

मोक्ष–किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें–

(ञ) क्या सिद्ध सिद्धशिला पर रहते हैं?

(ट) अन्तकृत शब्द का क्या तात्पर्य है?

(ठ) विज्ञान का फल.....। संयम का फल.....। तप का फल.....।

प्र. 2 निम्न प्रश्नों के उत्तर लिखें– 10

(क) **निर्जरा–**

निर्जरा के कितने भेद हैं?

अथवा

उपशम कितने कर्मों का होता है एवं उससे क्या प्राप्ति होती है?

(ख) **बंध व मोक्ष–**

सम्यक् ज्ञान-दर्शन-चारित्र-तप से सिद्धि का क्रम किस प्रकार बनता है?

अथवा

बंध की परिभाषा व स्वरूप का विवेचन करें।

प्र. 3 निम्न प्रश्नों के उत्तर विस्तार पूर्वक लिखें– 24

(क) **निर्जरा–**

कर्म-परिणमन से जीव में कितने प्रकार के पारिणामिक भाव उत्पन्न होते हैं?

अथवा

'रस परित्याग' तप का विवेचन करें।

(ख) **बंध व मोक्ष–**

भगवती सूत्र में वर्णित भिन्न-भिन्न कर्मों के बंध हेतुओं का उल्लेख करें।

अथवा

सिद्धों के गुणों का वर्णन करें।

अवबोध (तप धर्म से बंध व विविध तक)–30

प्र. 4 किन्हीं नौ प्रश्नों के उत्तर एक-दो वाक्य में लिखें– 18

(क) निधत्ति व निकाचित में क्या अंतर है?

(ख) पुरूषार्थ को कारण क्यों कहा गया है?

(ग) क्या कर्म के अशुभ फल को रोका जा सकता है?

(घ) भवोपग्राही कर्म किसे कहते हैं?

(ड़) प्रत्याख्यानी व अप्रत्याख्यानी माया किसकी तरह होती है?

(च) क्या मिथ्यात्वी की तपस्या संसार वृद्धि का कारण है?

(छ) क्या छठा भाव भी होता है?

(ज) घाती कर्मों में देशघाती कितने व सर्वघाती कितने?

(झ) क्या शुभ-अशुभ कर्म का बंध युगपत होता है?

(ञ) प्रतिसंलीनता किसे कहते हैं? उसके कितने प्रकार हैं?

(ट) तप का उद्देश्य क्या है?

प्र. 5 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर विस्तार सहित लिखें– 12

(क) आत्मा-चेतन पर कर्म जड़ का प्रभाव कैसे पड़ता है? बंधने वाली कर्म वर्गणाएं क्या आठों कर्मों में समान रूप से विभक्त होती है या न्यूनाधिक?

(ख) जीव वध से संबंधित कितनी क्रियाएं हैं? जीव के कितनी क्रियाएं होती है?

(ग) क्षायिक भाव के कितने प्रकार हैं?

(घ) क्या दस प्रत्याख्यान अनशन के अन्तर्गत हैं? ऊनोदरी को विस्तार से समझाएं।

श्रावक संबोध–20

प्र. 6 किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखें– 8

(क) निश्रास्थान किसे कहते हैं? साधु के कितने निश्रास्थान हैं तथा वे कौन से सूत्र में वर्णित हैं?

(ख) सद्धाल पुत्र कौन था तथा कौन से मत का उपासक था? उसकी घटना से कौन सी बातें फलित होती है?

(ग) जयन्ती श्राविका द्वारा भगवान महावीर को पूछे गए प्रश्नों में से कोई दो प्रश्न उत्तर सहित लिखें।

(घ) गुरूधारणा में किए जाने वाले संकल्प सूत्रों से कोई दो सूत्र लिखें।

(ड़) श्रावक की पहचान के कितने प्रकार हैं? संक्षेप से समझाएं।

प्र. 7 कोई तीन पद्य लिखें– 12

(क) सहिष्णुता की अनुप्रेक्षा वाला पद्य लिखें।

(ख) विज्ञप्ति-वाचन वाला पद्य लिखें।

(ग) तेरापंथ के प्रति विश्वास का परिचय देने वाला पद्य लिखें।

(घ) अंगुली निर्देश करने वाला पद्य लिखें।

(ड़) वह पद्य लिखें जिसमें धारिणी ने अपने प्राणों की बलि चढ़ा दी।

(च) उत्पाद व विनाश को बताने वाला पद्य लिखें।